राधे राधे मुझे मिलादे | By Mukesh Kumar

राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
बात करवा दे तू मेरी घनश्याम से
सुनले सुनले सुदामा की फ़रियाद तू
तेरा मित्र बहुत ही परेशान है
दिन गरीबी के अब यार कटते नहीं
हम तो ज़िंदा है अब बस तेरे नाम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से

द्वारकाधीश वाले मुझको पहचान ले
बचपन में श्याम हम तेरे संग खेले कूदे थे
माखन चुराते हम कभी मटकी को फोड़ते
क्या वो भूले हो बचपन की यादे सभी
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
क्या वो ग्वाले भी भूले हो ब्रज धाम के
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से

मेरी पत्नी मुझे अब ताने देती है
वो द्वारका का राजा है यार आपका
बुरे वक़्त में कहाँ गया वो प्यार आपका
क्या कहूं अपनी पत्नी से तू ही बता
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
मुझे देती है ताने तेरे नाम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से

अब ना तरसा मुझे तू आ भी ज़रा
आँखों में अश्क़ पाँव भी लहू लुहान हैं
तुम्हे देखने को सांवरे तड़पे ये जान है
प्रभु आपके मिलन को व्याकुल ये नैन हैं
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
बंसी वाले मेरा हाथ तू थाम ले
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से
राधे राधे मिला दे मुझे श्याम से

जब द्वारका वाले ने मेरी विनती सुनी
वो नंगे पाँव दौड़ कर द्वारे पे आ गए
बाजू पकड़ के यार को महलो में ले गए
दे दिया धन उन्हें इतना घनश्याम ने
दिन ये बीते सुदामा के आराम से.......

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%87-by-mukesh-kumar/